राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना'

किसानों की हित-रक्षा एवं सम्मान की योजना है-राज्यपाल

पटना, 24 फरवरी 2019

''केन्द्र एवं राज्य सरकार किसानों की हित–रक्षा में पूरी तरह तत्पर है। भारत सरकार द्वारा शुरू की जा रही 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' किसानों का सम्मान बढ़ानेवाली योजना है, यह उनपर सरकार का कोई एहसान नहीं।'' –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने बिहार कृषि प्रबंधन एवं प्रसार प्रशिक्षण संस्थान (बामेति) के सभागार में आयोजित 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' के राज्य में शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' के कार्यान्वयन में प्रक्रियागत सहजता बरती गई है तथा इस बात का पूरा ख्याल रखा गया है कि बिचौलियों की वजह इसमें किसी तरह का भ्रष्टाचार नहीं पनप पाए। राज्यपाल ने कहा कि आज देश के नेतृत्व ने भ्रष्टाचार के विरूद्ध कठोर अभियान छेड़ रखा है। आज यह स्थिति नहीं है कि ऊपर से चलनेवाली सहायता–राशि नीचे लाभुकों तक पहुँचने में बिचौलियों के दुराचरण के कारण अत्यल्प हो जाए। आज भ्रष्टाचारियों की गर्दन पकड़ में है और वे गरीबों तक कल्याणकारी योजनाओं की राशि पहुँच पाने में बाधक नहीं हो पा रहे। राज्यपाल ने कहा कि आज ही बटन दबाते डिजिटली लाभुक किसानों के खाते में डिजिटली दो हजार रूपये की सम्मान राशि स्वतः अंतरिम होकर आ जाएगी। किसानों को इसके लिए कहीं भटकना नहीं पड़ेगा।

राज्यपाल ने कहा कि आज सीमा पर तनाव के बावजूद विकास–कार्यों को बाधित नहीं होने दिया गया है और माननीय प्रधानमंत्री लगातार विकास–योजनाओं का शिलान्यास/उद्‌घाटन शुभारंभ कर रहे हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि स्वाभिमान की रक्षा में तत्पर रहते हुए हम विकास के पथ पर भी सतत् आगे बढ़ते रहेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि आज शुरू हो रही सम्मान योजना की बदौलत लघु एवं सीमांत किसान अपनी छोटी–छोटी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अब महाजनों के चंगुल में फँसने से बच सकेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि कर्ज–माफी किसानों की समस्या का वास्तविक समाधान नहीं है, इससे कृषि–जगत् की ही विकास योजनाएँ कुप्रभावित होती हैं। राज्यपाल ने कहा कि किसानों की माली हालत–सुधार की दिशा में धीरे–धीरे जो स्थिति बन रही है, उससे वह दिन अब दूर नहीं जब किसान ऋण नहीं लेंगे, बल्कि समाज के अन्य वर्गों की आर्थिक मदद करने की स्थिति में होंगे। राज्यपाल ने कहा कि हमें यह प्रयास करना चाहिए कि किसानों को कर्ज लेने की नौबत ही नहीं आए। उन्होंने कहा कि आज उद्‌घाटित हो रही योजना इसी दिशा में एक ठोस सार्थक पहल है।

आगे पृष्ठ....2 पर

राज्यपाल ने कहा कि कृषि और किसानों के हित में काफी सकारात्मक अनुशंसाएँ करनेवाले कृषि वैज्ञानिक डॉ० स्वामीनाथन भी आज यह स्वीकार कर रहे हैं कि मौजूदा भारत सरकार उनकी अनुशंसित योजनाओं के कार्यान्वयन पर तेजी से अमल कर रही है।

राज्यपाल ने कहा कि आज समाज के हर वर्ग के लोग भारत सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। बिजली घर–घर पहुँच गई, पक्के मकान सभी गरीबों के लिए बन गए, सबके लिए शौचालय बन रहे। राज्यपाल ने कहा कि जैविक खेती और गो–पालन से कृषि क्षेत्र का समग्र विकास तेजी से संभव हो सकेगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय कानून एवं न्याय तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पिछली केन्द्र सरकार की तुलना में मौजूदा भारत सरकार ने कृषि के बजट को बढ़ाकर दूना कर दिया है। पशुपालन एवं मत्स्य पालकों को भी किसान का दर्जा दे दिया गया है। मंत्री ने बिहार में 09 लाख से भी अधिक किसानों द्वारा 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' के तहत आनलाईन अभ्यावेदन करने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्ष में कुल 6000/–रू॰ की सम्मान–राशि संबंधित किसान को आजीवन मिलती रहेगी।

कार्यक्रम में बिहार के कृषि मंत्री डॉ॰ प्रेम कुमार ने केन्द्र एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण कृषि–योजनाओं से किसानों को अवगत कराया। कार्यक्रम में स्वागत–भाषण कृषि विभाग के प्रधान सचिव श्री सुधीर कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद–ज्ञापन कृषि निदेशक श्री आदेश तितरमारे ने किया।

ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय स्तर पर गोरखपुर (उ॰प्र॰) में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उक्त योजना का आज शुभारंभ किया है।

.....